श्री राम

हम सबका त्रिमूर्ति गुरु चरणों में शत शत नमन। गुरुजनों की कृपा से, श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट नई दिल्ली, द्वारा श्री स्वामी जी की साधना पद्धति व राम नाम के विस्तार हेतु अनेक कार्य सम्पन्न हुए। इन कार्यों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के केन्द्रों व दूर स्थित साधकों को न केवल प्रेरणा मिलती रही, अपितु सबको समरुप से एक धागे में पिरोये रहने में सहायता मिली।

निम्नलिखित कार्य समय समय पर सम्पन्न हुए।

सबसे प्रथम सब केन्द्रों को एकरुपता देने के लिए परम पूजनीय श्री विश्वामित्र महाराज जी के स्वरुप का कट आऊट चित्र का वितरण हुआ।

समय समय पर पूज्य श्री महाराज जी के प्रवचनों के 4 सैट सीडी के सभी केन्द्रों को प्राप्त हुए। आप सबसे यह ज्ञात होता रहता है कि प्रवचनों के कारण साधकों की संख्या बढ़ गई, साधक जैसे खिंचे हुए चले आते हैं।

"सत्य साहित्य" नामक त्रैमासिक समाचार पत्रिका का सफलतापूर्वक प्रकाशन व वितरण हो रहा है। यह संस्था की गतिविधियों की सूचना एवं गुरुजनों के वचनों व प्रवचनों को सब तक पहुंचाने की एक छोटी सी कोशिश की गई है।

आप सबको जानकर प्रसन्नता होगी कि पूजनीय श्री स्वामी सत्यानन्द जी महाराज के ग्रन्थों व अन्य प्रकाशित ग्रन्थों का प्रकाशन भी बहुत बढ़ गया है।

आप सबको सत्य साहित्य के माध्यम से अवगत ही है कि विभिन्न केन्द्रों में सहस्त्रों साधकों की नाम दीक्षा हुई। जिन साधकों को यह प्रसाद मिला उनकी अनुभूतियों को सुन कर लगता है कि परम पूजनीय श्री स्वामी सत्यानन्द जी महाराज जी का

"वृद्धि आस्तिक भाव की शुभ मंगल संचार।
अभ्युदय सद्धर्म का, राम नाम विस्तार।"

उद्देश्य सफलीभूत हो रहा है।

यह सब गुरुजनों की परम अनुकम्पा एवं आप सबके सहयोग के बिना सम्भव नहीं ।

2013 में फरीदाबाद व इन्दौरा में नये श्रीरामशरणम् के भवनों का उदघाटन हुआ । 2014 में जबलपुर, नरोट मेहरा और नामरुप में भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाएगा व उद्घाटन के लिए तैयार हो जाएंगे।

कपूरथला, रतनगढ व भरेड़ी में renovation कार्य चल रहा है। पीलीबंगा में निर्माण कार्य प्रगति पर है व तिब्बड़ में आरम्भ होने वाला है। यह सब कार्य देख कर ऐसा लग रहा है कि गुरुजन पूर्ण रुप से सक्रिय होकर हम सबको भरपूर आशीर्वाद दे रहे हैं, क्योंकि उनकी कृपा के बिना यह सब सम्भव नहीं हो सकता।

आप सबको दिल्ली श्रीरामशरणम् में होने वाले कार्यक्रमों की सूची दी जा रही है। किस समय किस ग्रन्थ का पाठ होता है, जाप कब कब होता है, दिल्ली का पूरा वार्षिक कार्यक्रम आप सबको दिया जा रहा है, यथासम्भव व सुविधा के अनुसार इसका अनुकरण करने की चेष्टा करें। जैसे दिल्ली में हर मंगलवार, 13, 29 व 2 तारीख का और पूर्णमासी का अखण्ड जाप होता है, आप सब भी करिए। यदि 24 घण्टों का या पूरे दिन का न हो सके तो दो दो घण्टे आदि, जितना हो सके, अपने अपने केन्द्रों में करने की चेष्टा करें, ताकि कार्यक्रमों में भी यथासम्भव समरुपता हो सके।

आप सब यहां इतनी सर्दी में पधारे हैं, आप सबका हृदय से बहुत बहुत धन्यवाद। यह सब देखते हुए यह निर्णय हुआ है कि आगे से दिल्ली में दिसम्बर का खुला सत्संग नहीं होगा।

मैं विशेष धन्यवाद आज के अध्यक्ष आदरणीय श्री मूलचन्द जी का करता हूं जिनकी उपस्थिति से हम सबका उत्साह बढ़ जाता है। आशा है आप सदा हमें प्रोत्साहित करते रहेंगे।

धन्यवाद